गुजरात स्टेट लेवल अेलीजीबीलीटी टेस्ट

Code No. : 07

विषय : संस्कृत

पाठ्यक्रम एवं नमूने के प्रश्न-पत्र

Note: There will be two question papers, Paper—II and Paper—III. Paper-II shall consist of 50 objective type compulsory questions based on the subject selected by the candidate. Each question will carry 2 marks. Paper-III will consist of 75 objective type compulsory questions from the subject selected by the candidate. Each question will carry 2 marks. All questions of Paper-II and Paper-III will be compulsory, covering entire syllabus (including all electives, without options).

प्रश्न-पत्र–II

1. वैदिक साहित्य

देवता : अग्नि ; सवितृ ; विष्णु ; इन्द्र ; रुद्र ; बृहस्पति ; अश्विनौ वरुण ; उषस् ; सोम

विषय-वस्तु : संहिताएँ ; ब्राह्मण एवं आरण्यक ; उपनिषद्

सम्बाद सूक्त : पुरुरवा–उर्वशी ; यम–यमी ; सर्मा–पणि ; विश्वामित्र–नदी

वैदिक साहित्य का इतिहास : वैदिक काल के विषय में विभिन्न सिद्धान्त–नैक्समूलर ; ए० वेबर ; जैकोबी ; बालगंगाधार तिलक एम० विन्टरनिट्ज ; भारतीय परम्परागत विचार

ऋग्वेद का क्रम

संहिताओं के पाठ-भेद

वेदांग : शिक्षा : कल्प, व्याकरण : निरुक्त : छन्द : ज्योतिष

2. दर्शन

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका : सत्कार्यवाद ; पुरुष-स्वरूप ; प्रकृति-स्वरूप ; सृष्टिक्रम ; प्रत्ययसर्ग ; कैवल्य

सदानन्द का वेदान्तसार : अनुबन्ध-चतुष्टय ; अज्ञान ; अध्यारोप-अपवाद ; लिंगशरीरोत्पत्ति ; पंजीकरण ; विवर्त ; जीनवमुक्ति

केशवमिश्र की तर्कभाषा/अन्नंभट्ट का तर्कसंग्रह : पदार्थ ; कारण ; प्रमाण–प्रत्यक्ष ; अनुमान ; उपमान ; शब्द

3. व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

व्या करण : परिभाषाएँ–संहिता ; गुण ; वृद्धि ; प्रातिपदिक ; नदी ; धि ; उपधा ; अपृक्त ; गति ; पद ; विभाषा ; सवर्ण ; टि ; प्रगुह्य ; सर्वनाम-स्थान ; निष्ठा

कारक : सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

समास : लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

भाषाविज्ञान : भाषा की परिभाषा एवं प्रकार (परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक) ; भाषाओं का वर्गीकरण ; भाषा प्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण : स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एवं स्वर ; ध्वनि सम्बन्धी नियम ; भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थाएँ

4. संस्कृत साहित्य एवं काव्यशास्त्र

निम्नलिखित ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन :

प□ : रघुवंश ; मेघदूत ; किरातार्जुनीय ; शिशुपालवध ; नैषधीयचरित ; बुद्धचरित

ग□ : दशकुमारचरित ; हर्षचरित ; कादम्बरी

नाटक : स्वप्नवासवदत्ता ; अभिज्ञानशाकुन्तल ; मृच्छकटिक ; उत्तररामचरित ; मुद्राराक्षस ; रत्नावली ; वेणीसंहार

काव्यशास्त्र :

साहित्यदर्पण :

काव्य की परिभाषा ; काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन

शब्दशक्ति–संकेतग्रह ; अभिधा ; लक्षणा ; व्य□ना

रस (रस-भेद स्थायी भावें सहित)

रूपक के प्रकार

नाटक के लक्षण

महाकाव्य के लक्षण

प्रश्न-पत्र–III (A)
(अनिवार्य वर्ग)

इकाई–I

संहिताएँ :

निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन :

ऋग्वेद–अग्नि (1.1) ; इन्द्र (2.12) ; पुरुष (10.90) ; हिरण्यगर्भ (10.121) ; नासदीय (10.129) ; वाक् (10.125)

अथर्ववेद–पृथिवी (12.1)

ब्राह्मण एवं आरण्यक :

सामान्य लक्षण ; विशेषताएँ ; दर्शपौर्णमास यज्ञ ; आख्यान–शुनःशेष तथा वाङ्मनस् ; प□महायज्ञ

व्याकरण एवं वैदिक व्याख्या-पद्धति :

पदपाठ ; स्वर–उद्दात्त, अनुदात्त तथा स्वरित ; वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर ;

वैदिक व्याख्या-पद्धति–प्राचीन एवं अर्वाचीन

इकाई–II

विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन। विशेषतः निम्नलिखित उपनिषदों के सन्दर्भ में :

ईश ; कठ ; केन ; बृहदारण्यक ; तैत्तिरीय

इकाई–III

वेदाङ्गों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

निरुक्त (अध्याय 1 और 2)

चार पद–नाम का विचार ; आख्यात का विचार ; उपसर्गों का अर्थ ; निपातों की कोटियाँ

क्रिया के छः रूप (षड्भावविकार)

निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य

निर्वचन के सिद्धान्त

निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ :

आचार्य ; वीर ; हृद ; गो ; समुद ; वृत्र ; आदित्य ; उषस् ; मेघ ; वाक् उदक नदी अश्व अग्नि ; जातवेदस् ; वैश्वानर ; निघण्टु

इकाई–IV

महाभाष्य (पस्पशाह्निक) : शब्द की परिभाषा ; शब्द एवं अर्थ सम्बन्ध ; व्याकरण के अध्ययन के उद्देश्य ; व्याकरण की परिभाषा ; साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम ; व्याकरण की पद्धति

सिद्धान्तकौमुदी : तिङन्त (भू एवं एध् मात्र) ; कृदन्त (कृत्य प्रक्रिया मात्र) ; तद्धित (मत्वर्थीय) ; कारक प्रकरण ; स्त्री प्रत्यय

भाषाविज्ञान : भाषा की परिभाषा ; भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक) ; संस्कृत ध्वनियों के विशेष सन्दर्भ में मानवीय ध्वनि-यंत्र ; ध्वनि-परिवर्तन के कारण ; ध्वनि-नियम (ग्रिम, ग्रासमान तथा वर्नर) ; अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ तथा कारण ; वाक्य का लक्षण तथा भेद ; भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय भाषा तथा वाक् में अन्तर ; भाषा और बोली में अन्तर

इकाई–V

व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका ; सदानन्द का वेदान्तसार ; लौगाक्षी भास्कर का अर्थसंग्रह

इकाई–VI

रामायण

रामायण का क्रम ; रामायण में आख्यान ; रामायणकालीन समाज ; परवर्ती ग्रन्थों के लिए रामायण एक प्रेरणा-स्त्रोत ; रामायण का साहित्यिक महत्त्व

महाभारत

महाभारत का क्रम ; महाभारत में आख्यान ; महाभारतकालीन समाज ; परवर्ती ग्रन्थों के लिए महाभारत एक प्रेरणा-स्त्रोत ; महाभारत का साहित्यिक महत्त्व

पुराण

पुराण की परिभाषा ; महापुराण एवं उपपुराण ; पौराणिक सृष्टिविज्ञान ; पुरा एवं लौकिक कलाएँ ; पौराणिक आख्यान

इकाई–VII

कौटिलीय अर्थशास्त्र (प्रथम दस अधिकार) ; मनुस्मृति (प्रथम, द्वितीय तथा सप्तम अध्याय) ;
याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय मात्र)

इकाई–VIII

प□ः रघुवंश (प्रथम तथा चतुर्दश सर्ग) ; किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग) ; शिशुपालवध (प्रथम सर्ग)
नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग)

ग□ः दशकुमारचरितम् (अष्टमोच्छ्वासः) ; हर्षचरितम् (प□मोच्छ्वासः) ; कादम्बरी (महाश्वेताव्रत्तान्त)

काव्यशास्त्रः काव्यप्रकाश–काव्यलक्षण ; काव्यप्रयोजन ; काव्यहेतु ; काव्यभेद ; शब्दशक्ति ; अभिहितान्वयवाद ; अन्विताभिधानवाद ; रसस्वरूप एवं रससूत्रविमर्श ; रसदोष ; काव्यगुण
अलंकार–अनुप्रास श्लेष ; वक्रोति ; उपमा ; रूपक ; उत्प्रेक्षा ; समासोक्ति ; अपह्नुति ; निदर्शना

अर्थान्तरन्यास ; दृष्टान्त ; विभावना ; विशेषोक्ति ; संकर ; संसृष्टि
ध्वन्यालोक (प्रथम उ□ात)

इकाई–IX

नाट्य–कर्णभार ; अभिज्ञानशाकुन्तल ; उत्तररामचरित मुद्राराक्षस ; रत्नावली
नाट्यशास्त्र–भरत-नाट्यशास्त्र (प्रथम, द्वितीय तथा षष्ठ अध्याय) ; दशरूपक (प्रथम तथा तृतीय प्रकाश)

इकाई–X

तर्कसंग्रह (दीपिका व्याख्या सहित)

तर्कभाषा–केशवमिश्र
प्रमातृ, प्रमेय, प्रमाण और प्रमिति की अवधारणाओं का अध्ययन

प्रश्न-पत्र–III (B)
(एच्छिक/वैकल्पिक)

ऐच्छिक–I

संहिताएँ :

निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन :

ऋग्वेद

वरुण [1.25] ; सूर्य [1.125] ; उषस् [3.61] ; पर्जन्य [5.83]

शुक्ल यजुर्वेद

शिवसङ्कल्प [1.6] ; प्रजापति [1.5]

अथर्ववेद

राष्ट्राभिवर्द्धनम् [1.29] ; काल [10.53]

ब्राह्मण :

प्रतिपा□-विषय ; विधि एवं उसके प्रकार ; अग्निहोत्र एवं अग्निष्टोम यज्ञ
विभिन्न संहिताओं से ब्राह्मण-ग्रन्थों की सम्बद्धता

ऋक्-प्रातिशाख्य :

निम्नलिखित परिभाषाएँ :

समानाक्षर ; सन्धयक्षर ; अघोष ; सोष्म ; स्वरभक्ति ; यम ; रक्त ; संयोग ; प्रगृह्य ; रिफित

निरुक्त (VII-अध्याय–दैवत काण्ड)

मन्त्रों के प्रकार ; देवताओं का स्वरूप ; देवताओं की संख्या

ऐच्छिक–II

वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड)

स्फोट का स्वरूप ; शब्द-ब्रह्म का स्वरूप ; शब्द-ब्रह्म की शक्तियाँ ; स्फोट एवं ध्वनि के बीच सम्बन्ध ; शब्द-अर्थ सम्बन्ध ; ध्वनि के प्रकार ; भाषा के स्तर

सिद्धान्तकौमुदी

समास ; परस्मैपदविधान ; आत्मनेपदविधान

पाणिनीयशिक्षा

ऐच्छिक–III

योगसूत्र–व्यासभाष्य

चित्तभूमि ; चित्तवृत्तियाँ ; ईश्वर का स्वरूप ; योगाङ्ग ; समाधि ; कैवल्य

वेदान्त : ब्रह्मसूत्र-शाङ्करभाष्य

न्याय-वैशेषिक : न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)

सर्वदर्शन संग्रह – जैनमत ; बौद्धमत

ऐच्छिक–IV

काव्यप्रकाश (द्वितीय तथा प□ाम उल्लास) ; वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) ; काव्यमीमांसा (1 से 5 अध्याय) ; रसगङ्गाधर–प्रथम आनन (रसनिरूपणान्त)

ऐच्छिक–V

पुरालिपि :

ब्राह्मीलिपि को पढने का इतिहास ; भारत में लेखन कला की प्राचीनता ; ब्राह्मीलिपि की उत्पत्ति के सिद्धान्त ; शिलालेख सम्बन्धी सामग्री के प्रकार ; गुप्त एवं अशोक काल की ब्राह्मीलिपि

अशोक के अभिलेख :

प्रमुख शिलालेख ; प्रमुख स्तम्भलेख ; गुजर्रा लघु-शिलालेख ; मास्कि शिलालेख ; रुम्मिनदेई स्तम्भलेख ; कान्धार का द्विभाषी शिलालेख

मौर्योत्तर काल के अभिलेख :

कनिष्क के शासन वर्ष 3 का सारनाथ बौद्ध प्रतिमा लेख ; कनिष्क के शासन वर्ष 18 का मनकियाला अभिलेख; नहपान के काल (वर्ष 41, 42, 45) का नासिक गुहा अभिलेख ; रुद्रदामन का गिरनार शिलालेख ; खारवेल का हाथी गुम्फा अभिलेख

गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख :

समुद्रगुप्त का अलाहाबाद स्तम्भ लेख ; चन्द्रगुप्त द्वितीय का वर्ष 61 का मथुरा शिलाले ; चन्द्र का महरौली लौह स्तम्भ लेख ; कुमारगुप्त प्रथम के काल का बिलसद स्तम्भ लेख ; कुमारगुप्त प्रथम का वर्ष 128 का दामोदरपुर ताम्र पट्ट अभिलेख ; स्कन्दगुप्त का गिरनार शिलालेख ; सकन्दगुप्त का इन्दौर ताम्र पट्ट अभिलेख ; स्कन्दगुप्त का भितरी स्तम्भ अभिलेख ; तन्तुवाय श्रेणी का मन्दसौर शिलालेख ; प्रभावती गुप्ता का पूना ताम्र पट्ट अभिलेख ; तोरमाण का एरण अभिलेख ; मिहिरकुल का ग्वालियार अभिलेख ; यशोधर्मन का मन्दसौर स्तम्भ लेख ; यशोधर्मन-विष्णुवर्धन का मन्दसौर शिलालेख ; महानामन का बोधगया अभिलेख ; यशोवर्मदेव के काल का नालन्दा शिलालेख ; आदित्यसेन का उफसद शिलालेख ; जीवितगुप्त द्वितीय का देववर्णारक अभिलेख ; धरसेन द्वितीय का मालिया ताम्र पट्ट अभिलेख ; ईशानवर्मन का हड्हा अभिलेख ; हर्ष का बांसखेडा ताम्र पट्ट अभिलेख ; पुलकेशी द्वितीय का एहोले शिलालेख ; प्रतिहास नृप मिहिरभोज का ग्वालियार अभिलेख ;